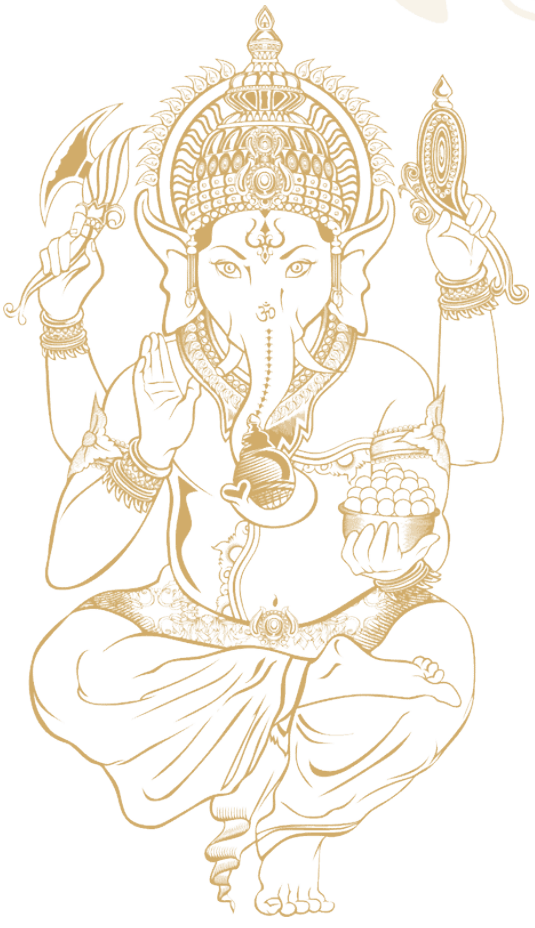

Sarthak Iuthra

Sushmita basak

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121855503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/03/1988	जन्म तिथि	25/10/1995
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 10:47:00	जन्म समय	17:30:00 घंटे
घटी 10:45:26	जन्म समय(घटी)	27:34:51 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Kanpur
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	20:25:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	85:15:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	00:11:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:49	सूर्योदय	05:47:46
18:30:34	सूर्यास्त	17:18:27
23:41:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:01

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 8मा 22दि	22:11:48	वृष	लग्न	मेष	12:19:29	गुरु 9वर्ष 7मा 13दि
बुध	03:08:33	मीन	सूर्य	तुला	07:47:51	बुध
09/12/2021	21:03:32	कुंभ	चंद्र	तुला	25:19:02	07/06/2024
09/12/2038	22:21:38	धनु	मंगल	वृश्चि	09:31:05	08/06/2041
बुध 06/05/2024	07:20:51	कुंभ	बुध	कन्या	20:47:53	बुध 04/11/2026
केतु 03/05/2025	08:07:57	मेष	गुरु	वृश्चि	20:56:10	केतु 01/11/2027
शुक्र 03/03/2028	18:12:24	मेष	शुक्र	तुला	25:05:12	शुक्र 01/09/2030
सूर्य 08/01/2029	08:21:13	धनु	शनि व	कुंभ	24:50:04	सूर्य 09/07/2031
चन्द्र 09/06/2030	29:24:15	कुंभ	राहु व	तुला	02:43:16	चन्द्र 07/12/2032
मंगल 06/06/2031	29:24:15	सिंह	केतु व	मेष	02:43:16	मंगल 04/12/2033
राहु 24/12/2033	07:12:17	धनु	हर्ष	मक	02:52:42	राहु 23/06/2036
गुरु 31/03/2036	16:19:27	धनु	नेप	धनु	29:05:21	गुरु 29/09/2038
शनि 09/12/2038	18:36:23	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	05:35:01	शनि 08/06/2041

लग्न-चलित

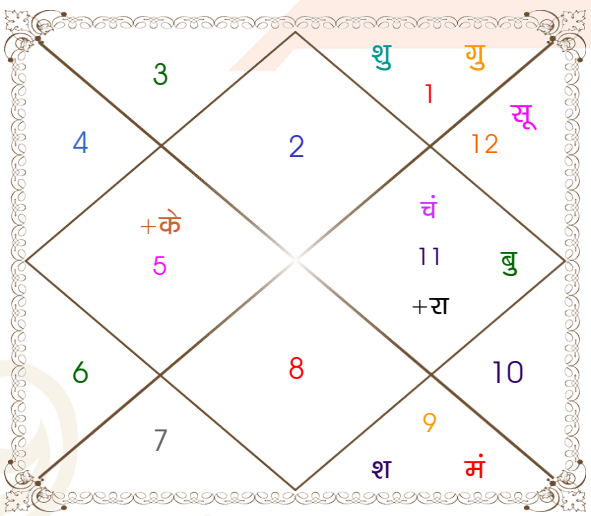

लग्न-चलित

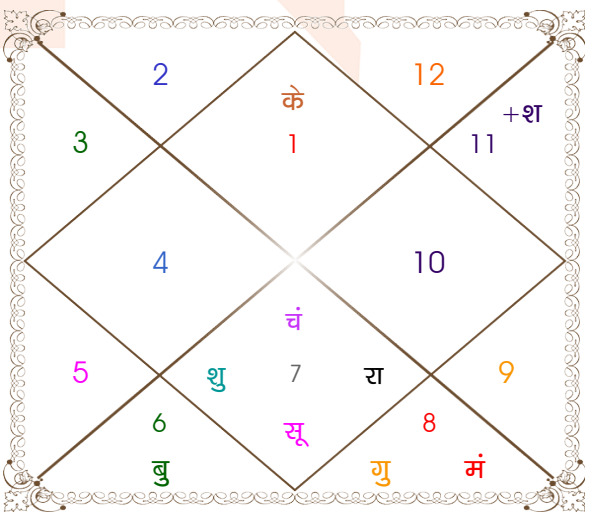

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Sarthak luthra का वर्ग मेष है तथा Sushmita basak का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sarthak luthra और Sushmita basak का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Sarthak luthra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Sushmita basak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sushmita basak कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Sushmita basak कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sushmita basak कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Sarthak luthra कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sarthak luthra तथा Sushmita basak में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।